विकास संवाद की व्यवस्था का घोषणा पत्र

हम, विकास संवाद के लोग,
एक समतामूलक, न्यायपरक, लोकतांत्रिक
और शोषण-मुक्त समाज के निर्माण के सपने को
साकार करने के लिए;

हम, विकास संवाद के लोग,
विकास संवाद को एक लोकतांत्रिक, पारदर्शी,
जवाबदेह
सामाजिक नागरिक समूह बनाने के लिए और
उसके सभी सदस्यों और उसके दायरे में आने
वाले सभी व्यक्तियों और इकाईयों के लिए
व्यवस्थागत मूल्यों को आत्मसात करने और
अपनाने के उद्देश्य से
व्यवस्था का यह घोषणा पत्र स्वीकार करते हैं.

इसके ज़रिये हम, विकास संवाद के लोग,
संस्थागत व्यवस्था में संवाद, सहभागिता और
पारदर्शिता, परिणाम-मूलकता
विचारों में वैज्ञानिक सोच, विविधता एवं बहुलता
की संस्कृति;
व्यवहार में विचारों की स्वतंत्रता, बंधुता, गरिमा,
समता, समानता और सत्यनिष्ठा जैसे
मूल्यों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.
साथ ही संविधान-सम्मत इन मूल्यों की कसौटी
पर खरा उतरने के लिए;
व्यवस्था-अंतर्गत नियत समीक्षा, मूल्यांकन एवं
सुधार के लिए;
स्वयं को समर्पित करते हैं.

पृष्ठभूमि

विकास संवाद एक सामाजिक नागरिक संस्था है. यह संस्था विश्वास करती है कि समाज में कुछ भूमिकाएं राज्य व्यवस्था की होती हैं और कुछ भूमिकाएं निजी क्षेत्र की होती हैं. इन भूमिकाओं की सकारात्मकता हासिल करने में सामाजिक नागरिक संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. ये एक सपने, एक लक्ष्य को लेकर अपनी-अपनी भूमिकाओं का निर्धारण करती हैं, जिनके मूल में कुछ अहम् मूल्य/उसूल/सिद्धांत होते हैं.

विकास संवाद एक संस्था के रूप में अपनी स्वयं की व्यवस्था के सञ्चालन के लिए व्यावहारिक मूल्यों और दिशा-निर्देशों का निर्धारण एवं उनका पालन करती है. उक्त भूमिका-निर्वाह के केंद्र में 'लोग' होते हैं, चाहे वे राज्य-व्यवस्था से जुड़े हों, निजी क्षेत्र के हों या सामाजिक नागरिक संस्थाओं में कार्यरत साथी हों. इसलिए यह आवश्यक है कि हम मूल्यों के प्रति सजग रहते हुए ऐसा व्यवहार करें जो दायरों के अनुकूल हो.

हमारे मूल्य और उसूल

विकास संवाद एक संस्था के रूप में इन 17 मूल्यों को आत्मसात करने और अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है :-

*1.**सत्यनिष्ठा** - संस्था के सभी सदस्य सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध होंगे एवं सभी सदस्यों से यह अपेक्षा भी की जाएगी कि वे अपने निजी आचरण में सत्यनिष्ठा को महत्वपूर्ण स्थान देंगे. इससे संस्था में संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा मिलेगा एवं एक मजबूत टीम का विकास होगा.*

*2. **संवाद** – संवादशीलता 'विकास संवाद' का एक आधारभूत तत्व है. इसे सुनिश्चित करने के लिए हम स्वीकार करते हैं कि हमें पारस्परिक विश्वास (trust), आम सहमति, व्यापक प्रतिबद्धता और सहयोग की भावना से सदैव प्रेरित रहना है. आपस में बातचीत, एक-दूसरे की बातों को बिना पूर्वाग्रह के ध्यान से सुनना, समझना और हर एक को अपनी बात कह सकने के लिए प्रेरित करना और अवसर निर्मित करना, एक-दूसरे के मतों का सम्मान करना, एक-दूसरे की गरिमा का सम्मान करते हुए बहस करना, तर्कों में विवेक का इस्तेमाल करना रचनात्मक संवाद के लिए जरूरी है.*

*3. **असहमति का सम्मान** – यह स्वाभाविक है कि संस्था में अलग-अलग पृष्ठभूमि और विचारों के लोग शामिल होते हैं. लेकिन सभी लोगों की संस्था के विजन के प्रति समान प्रतिबद्धता आवश्यक होगी. इस प्रतिबद्धता के प्रति जवाबदेह रहते हुए विभिन्न कामों और भूमिकाओं को निभाने के दौरान उनमें अलग-अलग तरह के विचार और मतभेद भी सामने आ सकते हैं. हो सकता है कि एक सदस्य दूसरे सदस्य के मत से सहमत न हो या कोई मत किसी एक अकेले व्यक्ति का ही हो, तो भी उसे पूरे विश्वास और गरिमा के साथ अपना मत अभिव्यक्त करने का पूरा अधिकार होगा. उसके मत के कारण उसके साथ किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दुर्भाविनापूर्ण व्यवहार नहीं किया जाएगा.*

*4. **पारदर्शिता** – संस्था अपनी नीतियों, रणनीतियों, लक्ष्यों, संसाधनों एवं भूमिकाओं के निर्वाह की समीक्षा के लिए सदैव तत्पर है और संबंधित जानकारियों को उनकी सरल व्याख्या के साथ पारदर्शी रखने की व्यवस्था निर्मित करेगी. संस्था के हर सदस्य और टीम में शामिल हर व्यक्ति को संस्था के आर्थिक संसाधनों से संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी.*

*5. **समता** – विकास संवाद यह मानता है कि संस्था में व्यक्तियों की क्षमताएं, कौशल और दक्षताएं भिन्न-भिन्न हो सकती हैं. इसे पहचानते हुए लोगों के बीच आपसी व्यवहार में मानवीय गरिमा बनाये रखने पर पूरा ध्यान रखा जायेगा. साथ ही, सभी सदस्यों की क्षमताएं विकसित करने के लिए विकास संवाद तत्पर रहेगा. इस प्रयोजन के लिए जिन्हें भी अपनी विशिष्ट क्षमताएं विकसित करने की अभिरुचि और आवश्यकता है, उन्हें संस्थान सदैव प्रेरित करेगा और यथासंभव नियमानुसार सहयोग प्रदान करेगा.*

*6. **समानता** – विकास संवाद ऐसी नीतियों और व्यवस्थाओं का निर्माण करेगा, जिनसे संस्थान के दायरे में समानता के व्यवहार को स्थापित किया जा सके.*

*7. **विवेक और तर्क** – विकास संवाद अपने कार्यक्षेत्र के निर्धारण, विषयों के चयन और निर्णयों में विवेक और तर्क को केन्द्रीय स्थान देगा.*

8. **स्वतंत्रता** – विकास संवाद में और इसके दायरे में शामिल सभी व्यक्तियों को सीखने, समझने, अभिव्यक्त करने, अपने विश्वास को मानने और नवाचार करने की स्वतंत्रता होगी. नवाचार के सन्दर्भ में यह उल्लेखनीय है कि कोई भी प्रयोग नीतियों और संसाधनों से संबंधित प्रतिबद्धता के दायरे में किया जाना चाहिए. विकास संवाद में हर व्यक्ति को जिम्मेदारी और जवाबदेहिता के साथ अपनी योजना बनाने, उसे लागू करने और सम्बंधित निर्णय लेने की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाएगी.

9. **गरिमा** – विकास संवाद हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करता है. यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान किया जाए और हर व्यक्ति दूसरे की गरिमा का भी सम्मान करे.

10. **बंधुता** – विकास संवाद आपसी रिश्तों, प्रेम और सहृदयता को एक आधारभूत मूल्य मानता है. संस्था की व्यवस्था, प्रक्रिया, भाषा और जिम्मेदारियों के माध्यम से बंधुता को प्रोत्साहित किया जाएगा.

11. **संबंध और आपसी रिश्ते** – संस्था अपने निर्धारित लक्ष्य तक सहजता और सकारात्मक नज़रिए के साथ पहुंचना चाहती है. इसके लिए जरूरी है कि संस्था और उसके व्यापक दायरे में आपसी रिश्तों पर अहंकार और हावी होने की प्रवृत्ति का बुरा असर न पड़े. किसी भी आधार पर कोई भी व्यक्ति/सदस्य दूसरे व्यक्ति/सदस्य से गरिमाहीन/असंसदीय व्यवहार नहीं करेगा.

12. **अनुशासन** – विकास संवाद अपने द्वारा प्राप्त किये गए संसाधनों और परियोजनाओं के प्रति बेहद संजीदा और संवेदनशील है. अतः यह सुनिश्चित करना होगा कि उचित समय पर नियोजन और समीक्षा की जाए. संस्था के हर सदस्य को अनुशासन का पालन करना चाहिए ताकि संस्था अपनी सार्वजनिक भूमिका को जवाबदेहिता के साथ निभा सके. हर सदस्य को अपनी योजना बनाने, उसे साझा करने और उस योजना के मुताबिक़ गुणवत्तापूर्ण तरीके से परिणामदायक भूमिका निभाने के प्रति तत्पर और जवाबदेह रहना होगा.

13. **नियोजन तथा समन्वित टीम वर्क** – संस्था अपने अस्तित्व की चार स्तरों पर पहचान करती है – एक: संस्था में व्यक्ति, दो: संस्था में कार्यक्रम और कार्यक्रमों की टीम,तीन: संस्था का विज़न, मिशन और मूल्य और चार: संस्था का व्यापक दायरा; संस्था में किए जाने वाले हर नियोजन, व्यक्तियों की भूमिकाओं के निर्धारण और समीक्षा और निर्णय लेने की प्रक्रिया में इन चारों स्तरों पर पड़ने वाले प्रभावों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. यह अपेक्षा है कि संस्था का हर सदस्य अपनी भूमिका को इस नज़रिए से देखे और स्वीकार करे, कि उसके काम का प्रभाव केवल उसके प्रोजेक्ट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि संस्था के विज़न, मिशन, मूल्य और छवि के साथ-साथ समुदाय पर भी पड़ता है. अतः यही व्यापकता हर समीक्षा का आधार होगी.
साथ ही किसी भी संस्था में निश्चित तौर पर बेहतर टीम के साथ ही कार्य कर पाना संभव है. इसके लिए टीम के सभी सदस्य आपस में बेहतर समन्वय बनाए रखेंगे.

14. **सहभागिता** – विकास संवाद की प्रक्रियाओं में साझापन एक चारित्रिक तत्व होगा यानी संस्था के नीतिगत निर्णयों और समीक्षा का काम संस्था के सदस्यों की सहभागिता के साथ किया जाएगा.
संस्था के कार्यक्रमों की समीक्षा की प्रक्रिया में समुदाय और हितधारकों को यथासंभव शामिल किया जाएगा. सहभागिता को प्रोत्साहन देने का उद्देश्य जवाबदेहिता के मूल्य को स्थापित करना भी होगा.

15. **जवाबदेहिता** - विकास संवाद अपने आपको एक सार्वजनिक संस्थागत इकाई मानता है. इसलिए उसके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले संसाधन भी सार्वजनिक ही माने जाएंगे. अतः संस्था अपनी भूमिका, स्वभाव, कार्यशैली और परिणाम के लिए उत्तरदायी है. इसी प्रकार संस्था में शामिल हर सदस्य अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों के लिए भी जवाबदेह होगा.

16.**नवाचार को बढ़ावा** - हम अपने कामकाज में नवाचार को बढ़ावा देंगे एवं नवाचार की प्रक्रियाओं को सहज बनाएंगे .

17. **पंथनिरपेक्षता** – विकास संवाद किसी पंथ-विशेष के प्रति आग्रहशील नहीं है. यह संस्था किसी भी रूप में ऐसा व्यवहार नहीं करेगी, जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी पंथ-विशेष के प्रति अनुराग या द्वेष का भाव प्रदर्शित हो. संस्था के सभी सदस्यों को अपने निजी क्षेत्र में अपने-अपने पंथ को अपनाने, उन्हें मानने और विश्वास करने का अधिकार है. संस्था के दायरे में वैज्ञानिक और मानव कल्याण के सिद्धांतों के प्रति सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा.

हमारे घोषणा पत्र के आयाम

हम अपने मूल्यों और दिशा-निर्देशों को निम्नलिखित 13 आयामों में परिभाषित और रेखांकित करते हैं:

1. संस्था का दायरा : संस्था के दायरे का मतलब है संस्था के व्यक्ति, संस्था की टीम, संस्था से जुड़ी हुई अन्य सभी सहयोगी संस्थाएं और संस्था की पहल से प्रभावित होने वाले सभी व्यक्ति, समुदाय और हितधारक. अतः संस्था और उससे जुड़े हुए लोग अपने नज़रिए और मूल्यों का विस्तार अपने इस व्यापक दायरे तक करेंगे.

2. कर्तव्य : भूमिका और जिम्मेदारियों का कर्तव्य के साथ सीधा रिश्ता होता है. यूँ तो संस्था के हर सदस्य की भूमिका और जिम्मेदारियां होंगी, लेकिन इसके साथ ही इनके विचार का जुड़ाव संस्था के विज़न और मिशन तक भी होगा. संस्था के सदस्य केवल अपना काम पूरा करना ही अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे; बल्कि वे इस पर भी ध्यान देंगे कि उनकी भूमिका और काम ने संस्था के विज़न और मिशन को पूरा करने में कितना योगदान दिया?

3.नेतृत्वकारी भूमिका : विकास संवाद के निर्धारित मूल्यों का पालन और व्यवहार करने के साथ ही हर सदस्य को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वह स्वयं व्यवस्था को बेहतर बनाने में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका ले. ऐसा नहीं माना जाएगा कि संस्था की व्यवस्थागत प्रक्रियाओं का निर्धारण, संचालन और समीक्षा किसी एक व्यक्ति या ख़ास समूह की जिम्मेदारी है. इस भूमिका को निभाना हर व्यक्ति का कर्तव्य माना जाएगा.

4. अनुशासन : अनुशासन का सम्बन्ध गरिमा, जवाबदेहिता और समयबद्धता से भी है. संस्था की व्यवस्था और नीति का निर्माण सहभागिता के साथ किया जाएगा. अतः सभी सदस्यों की यह जिम्मेदारी होगी कि संस्था की व्यवस्था और नीति का अनुपालन किया जाए. अपनी योजना, काम करने के तौर-तरीकों और समीक्षा में अनुशासन और समयबद्धता को आवश्यक तत्वों के रूप में शामिल किया जाएगा.

5. व्यक्ति का विकास एवं स्व-मूल्यांकन की निरंतरता : संस्था अपनी नीतियों एवं प्रक्रियाओं में व्यक्तियों पर निवेश करने एवं व्यक्तिगत क्षमताओं के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए अवसर निर्मित करेगी. संस्था स्वमूल्यांकन एवं स्व-निगरानी की प्रक्रिया को बढ़ावा देगी ताकि हर सदस्य अपने कामों का आकलन खुद भी कर सके एवं उसके अनुरूप अपना कार्य नियोजन कर सके.

6. सीखने के लिए सहभागिता : विकास संवाद एक शिक्षण-प्रशिक्षण संसाधन केंद्र के रूप में काम करता है. इसके लिए बहुत जरूरी है कि संस्था की टीम के सदस्य स्वयं सीखने की प्रक्रिया में शामिल रहें और अपनी सीख को अद्यतन (updated) रखें. अपेक्षा की जाती है कि संस्था की टीम के सभी सदस्य संवाद, बैठक, प्रक्रिया और प्रशिक्षण कार्यक्रम, जहाँ भी सहभागी हों, वहां सीखने की पूरी मंशा और तैयारी से सहभागिता करें.

7. लैंगिक संवेदनशीलता : संस्था लैंगिक पहचान के प्रति संवेदनशील है और विभिन्न लैंगिक समूहों की पहचान और गरिमामय अस्तित्व को स्वीकार करती है. संस्था इस बात के लिए प्रतिबद्ध होगी कि संस्था का हर सदस्य विभिन्न लैंगिक समूहों की गरिमा का सम्मान करे. यह व्यवहार केवल संस्थागत कार्य के दायरे तक ही सीमित न हो, बल्कि हर सदस्य के निजी व्यवहार का हिस्सा भी बने. लैंगिक और जातिगत सहित किसी भी आधार पर किसी भी तरह का दुर्व्यवहार, असहिष्णुता और हिंसा अस्वीकार्य होगी.

8. विविधता और समावेशन : विकास संवाद अपने समूह, दायरे और सामाजिक पहल में सामाजिक विविधता (विविध सामाजिक, लैंगिक समूहों) को स्वीकार करेगा और अपनी कार्यप्रणाली, नीतियों और प्रक्रियाओं में शामिल करेगा. संस्था की अपनी टीम में विविधता स्थापित रखी जाएगी. इसके लिए व्यक्तियों को क्षमता वृद्धि के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, सहयोग और संरक्षण उपलब्ध करवाया जाएगा.

9. **परिणाम-मूलकता**: विकास संवाद की पहल/काम/परियोजनाओं के परिणाम और प्रभाव संस्था के व्यक्तियों के विचार, उनके कौशल, कार्य कुशलता, काम करने के तौर तरीकों और व्यवस्थागत प्लानिंग पर निर्भर करते हैं. संस्था की टीम के हर सदस्य को यह यह सोचना और स्पष्ट करना चाहिए कि हमारे काम का परिणाम और प्रभाव क्या होगा? परिणाम और प्रभाव का आंकलन सभी स्तरों पर किया जाएगा.

10. **फीडबैक** : संस्था में हर सदस्य को संस्था को प्रभावित करने वाली व्यवस्था, नीति, कार्यक्रम या सार्वजनिक व्यवहार के सम्बन्ध में फीडबैक देने का अधिकार भी होगा और निम्मेदारी भी. इसके लिए कार्यक्रम स्तर पर नियमित रूप से संवाद, समीक्षा और प्लानिंग की व्यवस्था बनाई गई है. व्यक्तिगत व्यवहार और शिकायत के सन्दर्भ में संस्था में वैधानिक और नीति के तहत मंच और व्यवस्थाएं बनाई गई हैं ताकि कोई भी सदस्य निसंकोच अपनी बात/पक्ष/शिकायत प्रस्तुत कर सके.

11. **व्यक्तित्व और व्यवहार में एकरूपता** : यह दृढ विश्वास होना चाहिए कि सामाजिक नागरिक संस्था के रूप में व्यक्ति के संस्थागत और व्यक्तिगत व्यवहार में मूल्य-आधारित एकरूपता आए. इसका आशय यह है कि संस्था से जुड़े लोग व्यक्तिगत जीवन में भी बंधुता, लैंगिक समानता, पंथनिरपेक्षता सरीखे मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित हों. जाति, लिंग, उम्र आदि के आधार पर हिंसा करने वाले व्यक्तियों को संस्था से दूर रखा जाएगा.

12. **प्रकाशन सामग्री की सार्वजनिकता** : विकास संवाद की रणनीतियों में संचार और प्रकाशन बेहद महत्वपूर्ण हैं. विकास संवाद का विश्वास है कि हम जो भी ज्ञान सामग्री/प्रकाशन तैयार करते हैं, वे सार्वजनिक उपयोग के लिए हैं और उन पर संस्था किसी तरह के एकाधिकार का दावा नहीं करती है. संस्था के समूह में शामिल हर व्यक्ति से यह अपेक्षा की जाती है कि वह संस्था से जुड़ने के बाद एक निश्चित समय अवधि में संस्था द्वारा निर्मित/तैयार प्रकाशनों का अध्ययन करे और अपनी समझ अद्यतन रखे.

13. **दलीय राजनीति के सन्दर्भ में** : विकास संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखने वाली संस्था है और इसकी मान्यता है कि लोकतंत्र में व्यवस्था को बनाने में हर एक व्यक्ति के विचार, नज़रिए और पक्षधरता का योगदान होता है. इसका मतलब यह है कि हर एक व्यक्ति को अपना राजनीतिक मत रखने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता है. इसके साथ ही संस्था जिन विषयों पर भी काम करती है, उनका प्रत्यक्ष सम्बन्ध देश की नीतियों और विधानों से होता है. अतः इन मायनों में सभी सामाजिक और आर्थिक विषयों का सम्बन्ध राजनीति से होता है. इसे पहचानते हुए संस्था न्यायपूर्ण, शोषण और हर तरह से गरीबी से मुक्त समाज बनाने वाली नीतियों और विधानों के लिए पहल करती है. इसके साथ ही यह भी स्पष्ट है कि विकास संवाद दलीय राजनीति में शामिल नहीं है और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दलीय राजनीति में कोई भूमिका नहीं निभाती है.

घोषणा पत्र का अनुपालन

यह घोषणा पत्र इन सभी 13 आयामों पर विकास संवाद के दायरे में व्यक्तिशः एवं व्यवस्थागत अनुपालन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है. इनका अनुपालन आपसी सहयोग और सहृदयता के साथ किया जाएगा. इस घोषणा पत्र के अनुपालन के लिए संस्था में विभिन्न स्तरों पर नीतिगत और वैधानिक समितियां और समूह गठित किये गए हैं, जो जवाबदेहिता से साथ अपनी भूमिका निभाएंगे.

हम विकास संवाद के लोग